

प्रदेश के प्रत्यक्ष प्रभार मंदिरों के अंशकालीन पुजारियों के मानदेय में वृद्धि चर्चा में क्यों?

16 मई, 2023 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिरों के अंशकालीन पुजारियों के मानदेय में वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

प्रमुख बंदि

- मुख्यमंत्री ने देवस्थान वंभिग के अधीन आने वाले राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिरों के अंशकालीन पुजारियों के मानदेय में वृद्धि के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है। इससे पुजारियों का मानदेय 3 हज़ार रुपए प्रतमिह से बढ़कर 5 हज़ार रुपए प्रतमिह हो जाएगा।
- मुख्यमंत्री के इस नरिणय से पुजारियों को आर्थिक संबल मल्लिगा।
- साथ ही, देवस्थान वंभिग के अधीन 593 मंदिरों में पोशाक, रंग-रोगन, मरम्मत तथा उन्नयन संबंधी कार्यों के लयि 5.93 करोड़ रुपए के वत्तीय प्रावधान को भी स्वीकृति दी है।
- उल्लेखनीय है कि आत्मनरिभर मंदिरों के अंशकालीन पुजारियों का मानदेय 3 हज़ार रुपए से बढ़ाकर 5 हज़ार रुपए पूर्व में ही कयि जा चुका है।
- प्रस्ताव के अनुसार, 390 राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर तथा 203 राजकीय आत्मनरिभर मंदिरों के लयि 5.93 करोड़ रुपए (प्रति मंदिर 1 लाख रुपए तक) की स्वीकृति दी गई है। उक्त स्वीकृति से मंदिरों में वंभिन्न उन्नयन कार्य कयि जाएंगे।
- राज्य सरकार द्वारा प्रदेशवासियों की आस्था को देखते हुए मंदिरों को सुदृढ़ करने के लयि पोशाक, रंग-रोगन एवं मरम्मत कार्य करवाए जा रहे हैं।
- मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2023-24 के बजट में पुजारियों के मानदेय में वृद्धि तथा मंदिरों के मरम्मत, उन्नयन कार्या के संबंध में घोषणा की गई थी।